मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

22 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 166
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अंतिम दिन प्रत्याशियों ने किया तूफानी प्रचार

विशेष संवाददाता

देहरादून। पंचायतों के लिए होने वाले पहले चरण के मतदान की तैयारियां जोर शोर से जारी है। पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों पर भेजने का सिलसिला भी जारी है, वहीं 24 जुलाई को होने वाले मतदान के लिए चुनाव में प्रत्याशियों

❑24 के मतदान को पोलिंग पार्टियां रवाना
❑धामी बोले जनता का समर्थन भाजपा के साथ

ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य के आम लोगों का समर्थन भाजपा के साथ है तथा इन चुनावों में भाजपा के प्रत्याशियों को बड़ी जीत मिलने जा रही है।

त्रिस्तरीय चुनाव दो चरणों में कराए जाने हैं। पहले चरण के लिए 24 जुलाई को मतदान होगा। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। आज शाम चुनाव का शोर थम जाएगा। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों की कोशिश रही कि वह अपने क्षेत्र के हर मतदाता तक पहुंच सके। सभी प्रत्याशियों ने आज अपने क्षेत्र में तूफानी अंदाज में चुनाव प्रचार किया तथा जनता को भरोसा दिलाया कि वह हर सुख-दुख में क्षेत्र वासियों के साथ खड़े रहेंगे और क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे। चुनाव प्रचार आज शाम 5 बजे थम जाएगा। उधर बीते कल से ही पोलिंग पार्टियों को मतदेय स्थलों के लिए रवाना किए जाने का काम जारी है। दूरस्थ क्षेत्रों में कल ही पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा चुका है। कई दूरस्थ क्षेत्र ऐसे हैं जहां पोलिंग पार्टियों को 18 से 20 किलोमीटर का पैदल मार्ग तय करके जाना है और उनके सामने बारिश तथा भूस्खलन से रास्ते बंद होने की चुनौतियां भी हैं। आज देर शाम तक सभी पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया जाएगा जिससे वह कल शाम तक हर हाल में अपने गंतव्य तक पहुंच जाए।

मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि प्रदेश की जनता को भाजपा पर पूरा भरोसा है कि वही गांव का विकास कर सकती है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की जनता का समर्थन भाजपा के साथ है तथा भाजपा ग्राम पंचायत स्तर तक बड़ी जीत दर्ज करेगी ऐसा उनका विश्वास है।

पुलिस मुठभेड़ में दो गौ-तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। गौमांस का कारोबार करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। जिनका अस्पताल में उपचार जारी है।

चार दिन पहले बंगाली कॉलोनी, आजाद नगर में गोवंश को काटने की घटना को अंजाम देने वाला शातिर अपराधी कफिल पुत्र शकील व उसका साथी आज किच्छा पुलिस के हत्थे चढ़ गया। चौंकाने वाली बात यह है कि कफिल ने यह जघन्य अपराध अपनी पत्नी को उपहार देने के लिए पैसे जुटाने की खातिर दोबारा करने की कोशिश की, लेकिन इस बार पुलिस मुठभेड़ के बाद उसे और उसके साथी को दबोच लिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कफिल अपनी पत्नी को एक उपहार देना चाहता था लेकिन उसके पास पैसों की कमी थी। इसी कमी को पूरा करने के लिए उसने जल्दी पैसे जुटाने के लिए फिर से गौकशी का रास्ता चुना। कफिल का साथी अजीम पुत्र शकील ने उसे ऐसा करने से बहुत रोका और समझाया कि चारों तरफ पुलिस की कड़ी निगरानी है ऐसे में कोई भी गैरकानूनी काम करना खतरनाक होगा। हालांकि कफिल ने अजीम की एक न सुनी और पिपलिया मोड़ के पास वाले जंगल में फिर से गोवंश काटने की फिराक में था। जिसकी सूचना पर मुस्तैद किच्छा पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने कुछ लोगों को गोवंश को काटने का प्रयास करते हुए देखा। जब पुलिस ने उन्हें ललकारा तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो गौ तस्करों को गोली लगी।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों कफिल पुत्र शकील (उम्र 27 वर्ष) निवासी सद्दाम गोटिया वार्ड नंबर 19 सिरौली कला किच्छा और अजीम पुत्र शकील (उम्र 24 वर्ष) निवासी सिरौली कला किच्छा को दबोच लिया।

❑दो तमंचे, कारतूस व गौकशी के औजार बरामद

पुलिस ने मौके से एक जीवित गोवंश को बचाया साथ ही गोवंश को काटने के औजार भी बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 315 बोर के एक-एक तमंचे और कारतूस भी मिले हैं। कपिल के पास से एक तमंचा 315 बोर और कारतूस जबकि अजीम से भी एक तमंचा 315 बोर कारतूस और एक धारदार हथियार बरामद हुए है। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कानून व्यवस्था पर सवाल

इस साल कांवड़ यात्रा के दौरान जिस तरह की तस्वीरें जगह-जगह से सामने आई है निसंदेह वह अत्यंत ही चिंतनीय है और निंदनीय है। आस्था के नाम पर इस देश में आखिर यह हो क्या रहा है हर कोई इसे देखकर हैरान और परेशान है। मिर्जापुर से आई वह तस्वीर जिसमें कुछ कावंड़ियों द्वारा एक आरपीएफ के बावर्दी जवान को भी जमीन पर गिराकर किसी जानवर की तरह पीटा जा रहा है। ऋषिकेश से आयी एक तस्वीर में एक कार सवार युवक के साथ भी कांवड़िये सड़क पर ऐसा ही कुछ करते हैं युवक किसी तरह से उठकर भागता है और एक सुरक्षाकर्मी से डंडा छीनकर कावड़ियों पर टूट पड़ता है। जब पुलिस व कुछ लोग उसे रोकते हैं तो वह पूछता है कि अभी जब यह कावड़िये मुझे सड़क पर गिरा कर पीट रहे थे तब आप कहां थे? इन कावड़ियों द्वारा महिलाओं से भी मारपीट, दुकानों में तोड़फोड़ तथा लूटपाट, पुलिस के साथ झड़पों से लेकर संघर्ष और पुलिस लाठीचार्ज जैसी घटनाओं से सोशल मीडिया भरा पड़ा है। अराजकता का जो नंगा नाच इस बार कांवड़ यात्रा के दौरान देखा गया है शायद इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। सवाल यह है कि इन कांवड़ियों के अंदर यह अराजकता फैलाने की ताकत कहां से आई? क्या राज्य सरकारों का पुलिस प्रशासन इतना नकारा व डरपोक हो चुका है कि वह इन्हें रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। एक और भी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें पुलिस की वर्दी पहने एक सिपाही कावड़ियों के हाथ पैर दबा रहा है। इस बात को वह खुद भी जानता होगा कि ऐसा वह कावड़ियों की सेवा के भाव से कर रहा है या कावड़ियों की दबंगई के चलते लेकिन क्या यह तस्वीर पुलिस की वर्दी को शर्मसार करने वाली नहीं है। अगर कावड़ियों की सेवा ही करनी थी तो कम से कम पुलिस की वर्दी तो उतार कर ही कर लेता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी का कहना है कि कांवड़िया थक गया होगा। निश्चित तौर पर सरकारों द्वारा कांवड़ियों पर बरसाए जाने वाले फूलों और उनके स्वागत सम्मान ने ही कांवड़ियों को उत्पात मचाने की हद तक लाने का काम किया है। कांवड़ियों की अब यह सोच बन चुकी है कि वह कावड़ यात्रा के दौरान कुछ भी करें उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इन कावंड़ियों द्वारा सड़कों पर इस तरह चला जा रहा है कि जैसे कि वह चुनौती दे रहे हो कि कोई कुछ कह कर तो देखें आम आदमी भी इनसे बचकर बस किसी तरह निकालना चाहता है हाथों में लाठी डंडे लेकर आगे पीछे चलने वाले युवाओं से जब पुलिस प्रशासन की कुछ कहने की हिम्मत नहीं तो आम आदमी की तो बिसात ही क्या है? यूपी के सीएम योगी ने कावड़ यात्रा के लिए 5 दिनों के लिए स्कूल कॉलेजों तक को बंद कर दिया स्कूलों कॉलेजों से कांवड़ यात्रा का क्या संबंध है यह तो सीएम ही जान सकते हैं लेकिन अभी डाक कांवड़ जो कल तक चलेगी कांवड़ियों का यह उन्माद किस सीमा तक जाता है इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता लेकिन सोशल मीडिया पर कांवड़ की खबरों पर खूब बहस हो रही है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी पंचायत चुनावों के दौरान चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने तथा चुनावो के दौरान अवैध शराब की तस्करी की रोकथाम हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में सेलाकुई पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों-शराब तस्करो व नशा तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया है। गठित पुलिस टीम के द्वारा रूटीन चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए अलग-अलग स्थानों, क्रमश: लेबर चौक के पास एक सफेद रंग की गाड़ी सुजुकी ब्रेजा से विशाल रावत पुत्र त्रिलोक रावत निवासी हरिपुर, थाना सेलाकुई को 10 पेटी अंग्रेजी शराब रॉयल स्टैग, इंपीरियल ब्लू व्हिस्की तथा सेलाकुई स्थित पुरानी पुलिस चौकी के पास से अन्य शिवम कश्यप पुत्र महेन्द्र कश्यप निवासी तिपरपुर, थाना सहसपुर को स्कूटी से कुल 02 पेटी व्हिस्की (96 पव्वे अंग्रेजी शराब) के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहनों को सीज कर दिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि आगामी पंचायत चुनाव के दृष्टिगत मतदाताओं को लुभाने के लिए उक्त अवैध शराब को तस्करी कर लाना बताया गया।

'एक दिन वैज्ञानिक के रूप में' सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। एक दिन वैज्ञानिक के रूप में सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया। आज यहां सीएसआईआर भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर, आईआईपी) देहरादून में प्रारंभ हो गया है। प्रधानमंत्री एवं सीएसआईआर के अध्यक्ष नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी 2025 को अपने 119वें 'मन की बात' कार्यक्रम में यह सुझाव दिया था कि विद्यार्थी 'एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताएं' और अनुभव करें कि वैज्ञानिक का जीवन वास्तव में कैसा होता है। इसी के साथए देशभर की सभी सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में इस प्रकार की गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। सीएसआईआर, आईआईपी, उत्तराखंड राज्य का प्रमुख अनुसंधान संस्थान होने के नाते, इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता करते हुए उत्तराखंड के विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासा विकसित करने एवं विज्ञान में सृजनशील बनने हेतु प्रोत्साहित कर रहा है। इस पाँच दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न (सरकारी एवं निजी) विद्यालयों के कक्षा 8वीं से 10वीं तक के लगभग 500 विद्यार्थी, संस्थान में चल रहे शोध कार्यों का वास्तविक अनुभव प्राप्त करेंगे तथा सीएसआईआरणआईआईपी के वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे। सीएसआईआर, आईआईपी 'जिज्ञासा कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. आरती एवं सह-समन्वयक डॉ. कमल कुमार मौर्या ने विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा उन्हें विज्ञान एवं सीएसआईआर व सीएसआईआर,

आईआईपी की नवीनतम प्रौद्योगिकी विकास के प्रति प्रेरित किया ताकि विद्यार्थी यह विचार करें कि हम समाज एवं पर्यावरण के लिए और क्या बेहतर कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर,-आईआईपी के वैज्ञानिकों डॉ. उमेश कुमार, सत्यम प्रजापति, डॉ. रच्छासूर्य मुरली, डॉ. शुभम पॉल, डॉ. वी. सी. एस. पल्ला, डॉ. अंकुर बोरदोलोई एवं डॉ. टी. सेंथिल कुमार, क्रमश: विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे एवं उनसे संवाद करेंगे। आज डॉ. उमेश कुमार तथा सत्यम प्रजापति ने अपनी वार्ता के दौरान विद्यार्थियों को बताया कि हमारे शरीर के प्रमुख घटक रसायन, निर्मित हैं तथा दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली वस्तुएँ जैसे वस्त्र, औषधियाँ, डिटर्जेंट, साबुन, पॉलिमर, ईंधन एवं पेट्रोलियम उत्पाद आदि सभी रासायनिक यौगिकों से ही निर्मित होते हैं। तकनीक के प्रत्येक नवाचार में रसायन विज्ञान की भूमिका होती है। अत: विद्यार्थियों को प्रत्येक वस्तु को एक नवीन दृष्टिकोण से देखना, विचारना चाहिए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कच्चे तेल के प्रकार, उनकी उत्पत्ति, रिफाइनिंग, परीक्षण एवं अनुप्रयोगों के विषय में भी जानकारी प्रदान की जाएगी। विद्यार्थी यह भी समझेंगे कि कैसे एफटी, आईआर, एचआर, जीसी, एमएस, एक्सआरडी, टीजी, आदि जटिल तकनीकों के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पादों का विश्लेषण किस प्रकार रसायन एवं पेट्रोलियम विज्ञान की उन्नत आवश्यकताओं को समझने का एक महत्वपूर्ण साधन है। विद्यार्थियों की सक्रिय प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए उन्हें संस्थान की अनुसंधान प्रयोगशालाओं, जैसे कि सामान्य तापमान बायोडीज़ल प्रायोगिक संयंत्र, उन्नत कच्चा तेल अनुसंधान केंद्र एवं कांच धमन प्रयोगशाला का भी दौरा करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. आरती (जिज्ञासा समन्वयक), डॉ. कमल कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. रघुवीर सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार त्यागी, डॉ. ज्योति पोरवाल, गोकुल प्रसाद, संजय कुमार मौय, अजय पाल, प्रदीप पुंडीर एवं सुश्री सपना पेनुली ने अहम योगदान दिया।

केदारनाथ की नकल कर निर्माण के विरोध में दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता

हरिद्वार। इटावा में केदारनाथ की नकल कर भवन निर्माण के विरोध में तीर्थ मर्यादा रक्षा समिति के अध्यक्ष संजय चोपडा ने आन्दोलन की चेतावनी दी।

आज यहां उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा सुप्रीमो के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उत्तर प्रदेश इटावा सफारी पार्क के सामने ज्योतिर्लिंग केदारनाथ की नकल कर केदारनाथ मंदिर बनाए जाने के विरोध में तीर्थ मर्यादा रक्षा समिति के अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने आक्रोश प्रकट कर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को आंदोलन की चेतावनी देते हुए विश्व भर

के हिंदुओं की आस्था का केंद्र भगवान केदारनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम की नकल कर हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ किया जा रहा है जो कि घोर आपतिजनक है। तीर्थ मर्यादा रक्षा समिति के अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा पहले दिल्ली, बुराड़ी में फिर तेलंगाना में और अब उत्तर प्रदेश इटावा में ज्योतिर्लिंग केदारनाथ के नाम से मंदिर बनाने का कार्य किया जा रहा है इसका पुरजोर विरोध करते है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, बद्री केदार समिति के अध्यक्ष से सयुक्त रूप से मांग करते हैं कि भगवान केदारनाथ की प्राचीनता पुराणिकता बरकरार रहे इसके लिए शीघ्र ही अखिलेश यादव वह इटावा में केदारनाथ मंदिर निर्माण कर रही समिति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किया जाना विश्व भर के शिव भक्त भगवान केदारनाथ के दर्शनार्थी की आस्था बनी रहे इसके लिए कानूनी कार्रवाई किया जाना नितांत आवश्यक है।

महिला कार्मिकों को तैनाती स्थल के आसपास मिलेगी ड्यूटी

संवाददाता

मुनस्यारी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि महिला कार्मिकों को तैनाती स्थल के आसपास तैनात किया जाये।

आज यहां पिथौरागढ़ के पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के पत्र का राज्य निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने महिला कार्मिकों को तैनाती स्थल के आसपास तैनात करने के निर्देश देर शाम को जारी किया। जिले के सभी निर्वाचन अधिकारियों को आदेश जारी किया गया है। इससे महिलाओं के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं को भी फायदा मिलेगा। शासनादेश के अनुसार जिले में महिला कार्मिकों को निर्वाचन ड्यूटी नहीं मिलने से नाराज पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखा था।

आयोग के हस्तक्षेप के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने आठ विकास खंडों के निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखकर महिला कार्मिकों को तैनाती स्थल के आसपास चुनाव ड्यूटी में रखना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर महिला कर्मी अपने तैनाती स्थल से मतदान स्थल तक समय पर नहीं पहुंच पाती है, तो उन्हें चुनाव ड्यूटी में ना भेजा जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी के इस पत्र के आने के बाद महिला कार्मिकों ने राहत की सांस ली है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि चंपावत में महिला कार्मिकों को शासनादेश के अनुरूप ड्यूटी मिला है, लेकिन पिथौरागढ़ में महिला कार्मिकों के साथ इस प्रकार का सौतेला व्यवहार क्यों किया गया।

उन्होंने कहा कि विकास खंडों में तैनात निर्वाचन अधिकारियों द्वारा अगर इस आदेश का अनुपालन नहीं किया गया तो वह राज्य निर्वाचन आयुक्त से निर्वाचन अधिकारियों की शिकायत करते हुए इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग करेंगे।

बदलते मौसम में कभी न पीएं फ्रिज का ठंडा पानी, हो सकती है बीमारी

गर्मियों के दौरान एक ग्लास ठंडे पानी की जरूरत सबको होती है। गर्मी में हर कोई ठंडे पानी से प्यार करता है। ठंडा पानी शरीर की गर्मी को कम करता है और थकान को भी दूर करता है लेकिन अब मौसम बदल रहा है। रात में तापमान काफी कम हो जाता है और सर्दी बढ़ने लगती है। ऐसे में अगर आप फ्रिज का ठंडा पानी पीएंगे तो आपको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

सर्दियों में ठंडा पानी पीना न सिर्फ आपका गला खराब कर सकता है, बल्कि यह आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी ग्रसित करता है। जब मौसम बदलता है तो हमें ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है क्योंकि इस मौसम में संक्रमण तेजी से फैलता है। अगर आप अभी भी फ्रिज का पानी पी रहे हैं तो आज ही सावधान हो जाइए। ऐसा करने से आप कई गंभीर बीमारियों से घिर जाएंगे। आइए आपको बताते हैं इस समय ठंडा पानी पीने आपको किन समस्याओं से गुजरना पड़ सकता है

सांस संबंधी समस्या

यदि आप नियमित रूप से फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं, तो आपको सांस संबंधी समस्या हो सकती है। इसका सीधा असर आपकी नाक पर पड़ेगा। इसके अलावा यह सांस लेने की प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है। फेफड़ों में भी जलन की समस्या हो सकती है।

माइग्रेन का दर्द बढ़ता है

अगर आप माइग्रेन या गंभीर साइनस की बीमारी से पीड़ित हैं तो आपको इस समय फ्रिज का ठंडा पानी बिल्कुल नहीं पीना चाहिए। नियमित रूप से फ्रिज का ठंडा पानी पीने से सिर दर्द या माइग्रेन की समस्या बढ़ती है। जब आप ठंडा पानी पीते हैं, तो यह आपके नाक और सांस लेने के मार्ग को अवरुद्ध कर देता है जो स्वचालित रूप से माइग्रेन औक साइनस को बढ़ा देता है।

पोषक तत्वों के काम को प्रभावित करता है

आमतौर पर मानव शरीर का तापमान 37 डिग्री होता है। जब आप इस तापमान से कम पानी पीते हैं तो आपके शरीर को इस तापमान को नियंत्रित करने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, यदि आप किसी भी भोजन का सेवन करते समय ठंडा पानी पीते हैं, तो आपका शरीर पानी को नियंत्रित करने की दिशा में काम करना शुरू कर देता है। इस समय ठंडा पानी पीने से शरीर पोषक तत्वों पर काम नहीं कर पाता है क्योंकि उसने पानी को विनियमित करने के लिए अपनी ऊर्जा बर्बाद कर दी है। ऐसे में शरीर को पोषक तत्व नहीं मिल पाते।

हृदय गति को कम करता है

जब आप फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं, तो इससे आपकी वेगस नर्व उत्तेजित हो जाते हैं। जब वेगस नर्व उत्तेजित और सुपर सक्रिय हो जाते हैं तो यह आपके हार्ट रेट को तेजी से चलाता है जो आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

इन चीज़ों से बनाइये घर के लिये पर्दे

घर की सजावट में पर्दों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इनकी मौजूदगी से घर की दीवारों, दरवाजे-खिड़कियों और फर्नीचर सभी की शोभा बढ़ जाती है। इतना ही नहीं पर्दे कमरो के पार्टिशन और प्राइवेसी को बनाये रखने में भी मदद करते हैं। घर में पर्दे लगाना बहुत आसान है फिर चाहे तो आप किसी फर्निश्सिंग की दुकान से आप ले सकते हैं या फिर ऑनलाइन भी मॅंगा सकते हैं। लेकिन यह दोनों ही आपको बहुत महंगे पड़ेंगे। लेकिन अगर आप खुद पर्दे बना लेंगी तो यह सस्ता पड़ेगा।

आज हम आपको कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में बताने जा रहें हैं। जिन से आप सस्ते और आसानी से घर बैठे पर्दे बना सकती हैं। इसके लिए आपको बहार से महंगा कपड़ा खरीदने की कोई जरुरत नहीं है। चलिए, जानते हैं कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में। साड़ी अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां हैं और आप उनका इस्तेमाल नहीं करती हैं तो आप इनका पर्दे बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं।

सिल्क साड़ियों से बने पर्दे घर को बहुत ही आकर्षक लुक देगा। लेकिन सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे अच्छी हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। दुपट्टा सलवार कमीज के साथ मिलने वाले दुपट्टे अक्सर सलवार कमीज के खराब हो जाने के बाद भी अच्छे से रहते हैं। इन्हे आप घर में पर्दे बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि यह कई सारे रंगो और शेड्स में आते हैं।

स्टॉल्स स्टॉल्स ज्यादातर एक ही रंग के होते हैं जिन्हे हम गाउन और साड़ी के साथ पहनते हैं।

इन्हे आप दूसरे पर्दों के साथ मिला कर पुराने पर्दों को और खूबसूरत बना सकती हैं। इसके लिए आपके पास बहुत सारे स्टॉल्स होने चाहिए। चादरे पुरानी चादरों से आप घर के लिए सबसे सस्ते पर्दे बना सकती हैं। आप दो से तीन चादरों को मिक्स करके नए पर्दे बना सकती हैं।

कपड़े के अस्तर अगर आप अपने घर को कंट्री साइड सम्मेरी लुक देना चाहते हैं जिससे घर में धुप और रौशनी अच्छे से आये। तो आप अपनी ड्रेस के अस्तर का इस्तेमाल पर्दे बनाने में कर सकती हैं। मेजपोश अगर आप सोच रही हैं कि क्रोशिया के पर्दे कैसे लगेंगे? तो ये काफी आर्टिस्टिक लुक देंगे आपके घर को।

नाक पर पड़े चश्मे के दाग को इन नुस्खों से हटाए

वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है। लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पद्रंह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रदंह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके को अपनाने पर कुछ ही दिनों में आपके नाक पर काले निशान हट जाएंगे।

नींबू का रस लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पड़ने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पड़ने वाले निशान को गायब कर सकता है।

नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं। इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

गुलाबजल

ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं।

आंखों को सुदंर और सही रखने के कुछ खास उपाय

आंखें बहुत कुछ बयां करती हैं। वह बिन बोले ही बहुत कुछ समझा देती हैं। आंखें हमारे शरीर का सबसे खूबसूरत और नाजुक हिस्सा हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आंखों की सही देखभाल के साथ साथ आंखों को आकर्षक और सुंदर रखना भी बेहद जरूरी है। दरअसल चेहरे पर सबसे खूबसूरत और आकर्षक आंखें होती हैं। शरीर के अन्य अंगों की तरह आंखों की देखभाल भी जरूरी है। ऐसे में आंखों की देखभाल करने और उसे सुदंर बनाने का तरीका भी कुछ खास होना चाहिए। आइए आपको बताते हैं आंखों को सुदंर और सही रखने के कुछ खास उपाय-

गुलाब जल का करें इस्तेमाल : रात को सोने से पहले गुलाब जल की 2 बूंदे आंखों में डाल लें। इससे सुबह आंखें एकदम फ्रेश लगेंगी। साथ ही आंखों से सबकुछ साफ साफ नजर आएगा।

मेकअप रिमूव करना न भूलें : रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप रिमूव करना न भूलें। क्लीजिंग मिल्क आंखों के आसपास की जगह पर लगाएं और उसे रुई से पोंछ लें।

बादाम तेल से करें मालिश : अगर आपकी आंखों के नीचे काले धब्बे (डार्क सर्कलस) हैं तो आप रोज आंखों के आसपास बादाम के तेल से हल्की मालिश करें। मालिश के बाद तेल को 15 मिनट तक लगा रहने दें। फिर भीगी रुई से उसे पोंछ लें। इससे आपकी आंखें आकर्षक दिखने लगेंगी।

पका हुआ पपीता लगाएं : आंखों पर पका हुआ पपीता लगाने से भी वह सुदंर दिखती हैं। पके पपीते को मैश कर लें। फिर इसमें एक बूंद शहद मिलाएं। इसे आंखों के आसपास लगाकर 10 मिनट तक रखें, फिर आंखो को धो लें। इसके अलावा आंखों पर खीरे के टुकड़े रखने से भी आंखें फ्रेश होती हैं।

दूध का करें इस्तेमाल : इसके अलावा आंखों को सुंदर बनाने के लिए आप बादाम और दूध का पेस्ट तैयार करें और इसे 20 मिनट तक आंखों के नीचे लगाकर रखें। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से आंखों के नीचे पड़ने वाले डार्क सर्कल्स गायब हो जाते हैं।

शहद और अंडे का करें इस्तेमाल : वहीं थोड़े से शहद में अंडे का सफेद हिस्सा मिला कर आंखों के चारों ओर लगाएं और 20 मिनट बाद इसे धो लें। इससे आंखों के आसपास की त्वचा का रंग साफ होने लगता है और आंखें सुंदर दिखने लगती हैं।

केसर का करें प्रयोग : आपको बता दें कि केसर का सेवन करने से भी आंखें सुंदर दिखने लगती हैं। इसके अलावा आप उसे आंखों पर लगा भी सकते हैं। केसर के कुछ रेशे गुलाब जल में एक घंटे के लिए भिगोएं। इसके बाद रुई भिगोकर बंद आंखों पर रख दें। 5 मिनट बाद इसे उठा लें। ऐसा करने से आंखों के नीचे काले घेरे कम हो जाते हैं।

क्या करें जब प्रेग्नेंसी में हीमोग्लोबिन कम हो जाए, जानें बढ़ाने के टिप्स

मां बनने के दौरान शरीर में कई तरह की जटिलताएं आती हैं। जब आप प्रेग्नेंट होती हैं तो इस बात की आशंका हमेशा बनी रहती है कि आपमें खून की कमी या एनीमिया हो सकता है। दरअसल, जब एनीमिया होती है तो हेल्दी ब्लड सेल्स नहीं बनते। यानी ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन की मात्रा बहुत कम हो जाती है। चूंकि हीमोग्लोबिन ही ऑक्सीजन को शरीर के सभी अंगों तक पहुंचाता है, इसलिए ऑक्सीजन को आपके शरीर के विभिन्न अंगों और बच्चे तक पहुंचने में दिक्कत होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान बॉडी खून को ज्यादा बनाती है ताकि बच्चे का विकास हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक जब शरीर में आइरन या अन्य पोषक तत्वों की कमी हो जाती है तो खून का बनना भी कम हो जाता है। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में हीमोग्लोबिन का लेवल ज्यादा होना चाहिए। प्रेग्नेंट महिलाओं में हीमोग्लोबिन का लेवल 12 से कम नहीं होना चाहिए। अगर 11 से कम हो तो इसका मतलब है कि आपको एनीमिया है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो मां और बच्चे दोनों की सेहत को खतरा हो सकता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान अगर शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाए तो सबसे ज्यादा थकान रहती है।

घबराहट और कमजोरी महसूस होती है। ।

त्वचा, होंठ और नाखून पीले पड़ने लगते हैं।

कभी-कभी चक्कर भी आने लगता है।

सांस लेने में कभी-कभी दिक्कत हो सकती है, सांस फूलने लगता है।

दिल की धड़कन तेज हो सकती है।

किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है।

प्रेग्नेंसी के दौरान खून के लेवल को मैंटेन रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए अच्छी डाइट जरूरी है। विटामिन बी 12 की कमी के कारण हीमोग्लोबिन में कमी होती है। इसके लिए विटामिन बी 12 वाली डाइट लेनी चाहिए। डॉक्टर आपको मीट, अंडा और डेयरी प्रोडक्ट लेने की सलाह दे सकते हैं। इसके अलावा आयरन की कमी के कारण भी एनीमिया हो सकता है। आयरन की कमी को पूरा करने के लिए हरी पत्तीदार सब्जियां, मछली, पालक का साग, साबुत अनाज, बींस, मसूर की दाल, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स आदि का सेवन करें। विशेषज्ञों के मुताबिक जब शरीर में विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा होती है तो यह आयरन को बॉडी में एब्जोर्ब रखता है। इसलिए विटामिन सी से युक्त डाइट को लेना चाहिए। इसके लिए साइट्रस फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, कीवी, टमाटर आदि का पर्याप्त सेवन करें।

शरीर में हो रही है खुजली तो नीम के तेल के साथ लगाए यह चीज

आजकल कई लोग खुजली से परेशान रहते हैं। जी हाँ, खुजली होने की समस्या ऐसी है कि किसी के सामने अगर एक बार व्यक्ति शरीर खुजाने लगे तो उसे शर्म से लाल होना पड़ता है। जी हाँ, लेकिन इस शर्मिंदगी से बचने के लिए लोग खुजाए बिना दर्द सहने पर भी मजबूर हो जाते हैं। आपको बता दें कि खुजली छोटे जीवाणुओं के कारण हो सकती है जो शरीर पर खुजली के साथ-साथ जलन और फुंसी जैसे रैशेज की भी वजह बनते हैं। इसके अलावा कई बार खुजली फैलने वाली भी होती है जिसके चलते घर में किसी एक को हुई खुजली सब में फैल जाती है। जी दरअसल ज्यादातर उंगलियों, गर्दन, कलाई, पैरों और कमर के निचले हिस्से से खुजली शुरु होती है, इस वजह से इसे रोकने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा लेना चाहिए। आइए बताते हैं उन घरेलू उपायों के बारे में।

नीम - नीम को खुजली पर बेहद असरदार माना जाता है। जी हाँ और आप शरीर पर नीम की पत्तियों को पीस कर भी लगा सकते हैं या इसके तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल नीम के एंटी बैक्टीरियल गुण खुजली को कम करते हैं।

हल्दी - हल्दी को नीम के तेल में मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा - खुजली वाली जगह पर एलोवेरा लगाने पर राहत महसूस होती है। जी दरअसल यह खुजली को फैलने से रोकता है। एलोवेरा को स्किन पर लगभग आधा घंटा लगाए रखने के बाद धो लें।

लौंग का तेल - लौंग खुजली के दानों को कम करने में मदद करते हैं। हालाँकि इसको लगाते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

नारियल का तेल - शरीर पर नारियल का तेल लगाने पर खुजली में आराम मिलता है। जी हाँ और इसी के साथ ही नारियल का तेल लगाने पर आपको ठंडक भी महसूस होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

मेकअप में कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है फाउंडेशन, यहां जानिए तरीके

फाउंडेशन एक मेकअप प्रोडक्ट है, जो त्वचा के रंग को समान बनाने और उसे चमकदार दिखाने में मदद करता है। आमतौर पर फाउंडेशन का उपयोग चेहरे पर बेस बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके कई अन्य उपयोग भी हैं। इस लेख में हम आपको फाउंडेशन के कुछ अनोखे और असरदार उपयोगों के बारे में बताएंगे, जिससे आप अपने मेकअप रूटीन को और भी खास बना सकती हैं।

लिपस्टिक के बेस के रूप में करें इस्तेमाल

फाउंडेशन का इस्तेमाल लिपस्टिक के बेस के रूप में किया जा सकता है। अगर आपके पास लिपस्टिक है, जो हल्की या फिर बहुत ज्यादा रंगीन नहीं है तो उसे लगाने से पहले अपने होठों पर थोड़ा सा फाउंडेशन लगाएं। इससे लिपस्टिक का रंग और गहरा दिखेगा और वह पूरे दिन टिकेगी। इसके अलावा फाउंडेशन लगाने से आपके होंठों का रंग और भी गहरा और आकर्षक दिखेगा, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

आईशैडो को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए करें उपयोग

फाउंडेशन का उपयोग आईशैडो के बेस के रूप में भी किया जा सकता है। अगर, आपकी आईशैडो जल्दी धुंधली हो जाती है या फिर फैल जाती है तो उसे लगाने से पहले अपनी पलकें पर थोड़ा सा फाउंडेशन लगाएं। इससे आईशैडो लंबे समय तक टिकी रहेगी और आपकी आंखें खूबसूरत दिखेंगी। इसके अलावा फाउंडेशन लगाने से आईशैडो का रंग भी ज्यादा गहरा और आकर्षक दिखेगा, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

दाग-धब्बों को छिपाने के लिए करें इस्तेमाल

फाउंडेशन का उपयोग दाग-धब्बों को छिपाने के लिए भी किया जा सकता है। अगर आपके चेहरे पर कोई दाग-धब्बा हो तो उसे छिपाने के लिए फाउंडेशन का उपयोग करें। इसके लिए थोड़ी मात्रा में फाउंडेशन लेकर उसे दाग-धब्बे पर अच्छे से लगाएं। इससे दाग-धब्बा धीरे-धीरे छिप जाएगा और आपकी त्वचा साफ-सुथरी दिखेगी। फाउंडेशन लगाने से न केवल दाग-धब्बे छिपेंगे बल्कि आपकी त्वचा का रंग भी समान लगेगा, जिससे आपका चेहरा और भी निखर जाएगा।

गालों पर रंगत लाने के लिए करें इस्तेमाल

फाउंडेशन का उपयोग गालों पर रंगत लाने के लिए भी किया जा सकता है। अगर आपके पास ब्लश नहीं है या फिर आपका ब्लश बहुत जल्दी खत्म हो जाता है तो थोड़ी मात्रा में फाउंडेशन लेकर अपनी गालों पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे आपके गालों पर प्राकृतिक रंग आएगा और मेकअप भी लंबे समय तक बरकरार रहेगा। इसके अलावा फाउंडेशन लगाने से गालों का रंग और भी निखर जाएगा, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

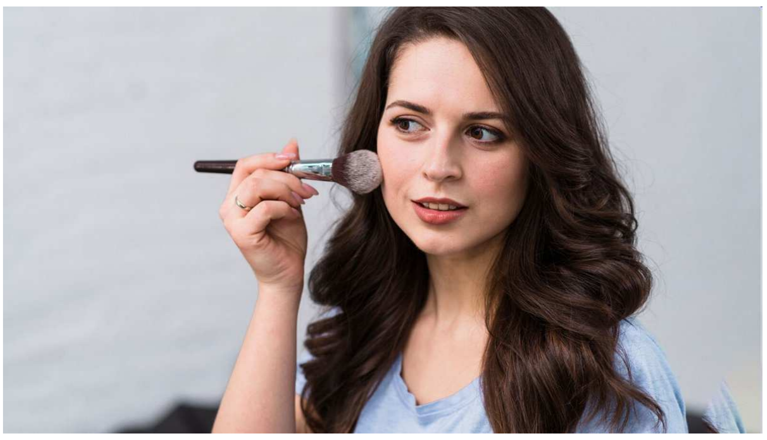

कंसीलर के रूप में करें उपयोग

फाउंडेशन का उपयोग कंसीलर के रूप में भी किया जा सकता है। अगर आपके पास कंसीलर नहीं है या फिर वह आपके चेहरे के रंग से मेल नहीं खाती तो थोड़ी मात्रा में फाउंडेशन लेकर अपनी आंखों के नीचे, नाक के पास या फिर किसी भी जगह पर जहां कंसीलर की जरूरत हो वहां लगाएं। इसके बाद इसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि कोई भी लाइन न दिखे और आपका चेहरा साफ-सुथरा दिखे।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -16

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

1		■	2	■	3		4	■
	■	5				■	6	
7	8		■	■	9		■	■
■	10		■	■	■	■	11	■
12		■	13	■	14			■
	■	15		16		■	17	18
	■		■	19		20	■	
21	22		23		■		■	
■	24			■	25			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 15 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

बॉबी देओल हरि हरा वीरा मल्लू में औरंगजेब बनकर मचाएंगे कोहराम

बॉलीवुड के साइलेंट स्टॉर्म' बन चुके बॉबी देओल अब एक नई ऐतिहासिक भूमिका में इस बार सीधे मुगल सम्राट औरंगजेब के रूप में नज़र आने वाले हैं। निर्देशक ज्योति कृष्णा की बहुप्रतीक्षित फिल्म हरि हरा वीरा मल्लू में बॉबी का ये किरदार सिर्फ एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं, बल्कि एक इमोशनल और विजुअल विस्फोट है।

पावरस्टार पवन कल्याण की मुख्य भूमिका से सजी यह भव्य पीरियड एक्शन फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है, और बॉबी देओल के इस उग्र, मौन लेकिन भयावह रूप ने पहले ही चर्चा बटोर ली है।

बॉबी देओल ने फिल्म एनिमल में बिना बोले जो असर छोड़ा, उसने निर्देशक ज्योति कृष्णा को चौंका दिया। यही वह पल था जब उन्होंने तय किया कि उनके औरंगजेब को संवादों की ज़रूरत नहीं-बल्कि सिर्फ एक तीखी निगाह, एक ठहराव, और आंतरिक ज्वालामुखी चाहिए।

ज्योति कृष्णा ने बताया, एनिमल में बॉबी का प्रदर्शन मंत्रमुग्ध करने वाला था। उन्होंने बिना शब्दों के इतना कुछ कह दिया कि मुझे लगा, यही मेरा औरंगजेब है। हमने स्क्रिप्ट को दोबारा लिखा ताकि बॉबी की गहराई, उनकी मौन शक्ति और आंतरिक उबाल को पर्दे पर सही मायनों में उतारा जा सके।

इस फिल्म में बॉबी देओल सिर्फ एक बादशाह नहीं, बल्कि एक जटिल मनोविज्ञान और राजनीति की परतों में छिपा शासक बनकर सामने आएंगे। उनका यह किरदार गूंगा नहीं, बल्कि एक सुनामी से पहले की शांति है।

निर्देशक के शब्दों में, बॉबी में वह गहराई है जो कम ही अभिनेताओं में होती है। वह हर फ्रेम में अपनी उपस्थिति छोड़ते हैं, उनके सीन खत्म हो जाने के बाद भी उनकी छवि स्क्रीन पर बनी रहती है। इस फिल्म में वह पहले से ज्यादा उग्र, आकर्षक और खतरनाक हैं।

हरि हरा वीरा मल्लू न सिर्फ एक ऐतिहासिक महागाथा है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा के स्तर को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश है। ऑस्कर विजेता संगीतकार एम.एम. कीरवानी के साउंडट्रैक, नीता लुल्ला की शानदार कॉस्ट्यूम डिज़ाइन, और ए.एम. रत्नम व ए. दयाकर राव के विशाल प्रोडक्शन विज़न के साथ यह फिल्म एक वृहद स्तर पर तैयार की गई है।

यह फिल्म केवल तलवारों और सिंहासनों की कहानी नहीं, बल्कि उस समय के सत्ता संघर्ष, विश्वासघात और नायक-खलनायक के बीच की महीन रेखा को दर्शाती है।

24 जुलाई को हरि हरा वीरा मल्लू का पर्दा उठेगा और दर्शक देखेंगे एक ऐसा टकराव, जहां वीरता पवन कल्याण के रूप में सामने होगी और सत्ता की निर्दयी चालें बॉबी देओल की आंखों में चमकेंगी। (आरएनएस)

भगवान राम के रोल में छाए रणबीर कपूर, तो रावण बने यश का दिखा विराट रूप

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर और साउथ के मेगास्टार यश स्टारर रामायण का फर्स्ट लुक देखने के लिए दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार सबका इंतजार खत्म हुआ। बॉलीवुड की इस बड़े बजट की एपिक सागा का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। रामायण का टीजर भारत के नौ शहरों यानी मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, पुणे और कोच्चि में लॉन्च किया गया भारतीय सिनेमा के इतिहास में शायद यह पहली फिल्म है जिसका फर्स्ट लुक या टीजर देश के 9 शहरों में एक साथ दिखाया गया है। इतना ही नहीं टीजर 3 मिनट लंबा है, जो कि आमतौर पर ट्रेलर की लंबाई होती है।

यश ने इस टीजर को अपने इंस्टाग्राम पर रिलीज करते हुए लिखा, दस साल की आकांक्षा, दुनिया के सामने अब तक के सबसे महान महाकाव्य को लाने का अथक दृढ़ संकल्प, दुनिया के कुछ बेहतरीन लोगों के साथ यह सुनिश्चित करने का नतीजा कि रामायण को सबसे ज्यादा श्रद्धा और सम्मान के साथ पेश किया जाए। सबसे पहले आपका स्वागत है, आइए राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं। हमारा सच, हमारा इतिहास।

रामायणम का टीजर शानदार है, टीजर में सभी अहम किरदारों की पुष्टी कर दी गई है। एपिक माइथोलॉजिकल सागा में राम के रूप में रणबीर कपूर, सीता के रूप में साई पल्लवी, रावण के रूप में यश, लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे, हनुमान के रूप में सनी देओल नजर आएंगे। साथ ही फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान और हंस जिमर ने दिया है जो शानदार लग रहा है। आखिर में रणबीर कपूर और यश की झलक दिखाई गई है। यश रावण के रूप में काफी खौफनाक लग रहे हैं।

रामायण के पहले भाग की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे भाग की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होगी। पहला भाग दिवाली 2026 पर और दूसरा भाग दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा। दो भागों वाली यह गाथा कई हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर्स के बजट के बराबर ही बनाई जा रही है।

नमित मल्होत्रा का ऑस्कर विजेता वीएफएक्स बैनर के साथ इसे बनाया जा रहा है। पहली झलक दिखाने के बाद, रामायण की टीम 7 मिनट का विजुअल शोरील दिखाएगी, इसे फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज के करीब रिलीज किया जाएगा, जो कि दिवाली 2026 है। (आरएनएस)

रेड ड्रेस में सारा अली खान ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

सारा अली खान एक बार फिर अपने शानदार और बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह रेड ड्रेस में एप्पल खाते हुए नजर आ रही हैं। उनके इस बोल्ड और एलीगेंट अंदाज़ ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया है।सारा ने कैप्शन में लिखा, अपना फल खाओ और क्रूर मत बनो , जो उनके चंचल और विचित्र अंदाज़ को भी दर्शाता है। इन तस्वीरों में वह रेड स्लीवलेस ड्रेस और मैचिंग हाई हील्स में कमाल की लग रही हैं। मिरर लाइट्स के सामने बैठे हुए उनका कॉन्फिडेंट पोज और डार्क वेवी हेयरस्टाइल उनके लुक को और भी स्टनिंग बना रहा है।

पोस्ट के कुछ ही मिनटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आने लगे। फैंस उन्हें क्यूटी इन रेड', गॉर्जियस दिवा', और रेड हॉट सेंसेशन' जैसे नामों से नवाज़ रहे हैं। एक यूज़र ने तो सारा की पहली फिल्म केदारनाथ को याद करते हुए कमेंट किया, केदारनाथ फिल्म देख कर आज मूड ऑफ है , यह दिखाता है कि सारा का चार्म आज भी दर्शकों पर बरकरार है।

सारा अली खान का यह नया लुक उनके फैंस के लिए एक फैशन इंस्पिरेशन बन चुका है। अक्सर ट्रेडिशनल और वेस्टर्न आउटफिट्स में दिखाई देने वाली सारा इस बार भी अपने क्लासी और कूल कॉम्बिनेशन से सबको इंप्रेस करने में सफल रही हैं। खना दिलचस्प होगा कि सारा का ये फैशन स्टेटमेंट अगली बार कौन-सा नया ट्रेंड सेट करता है। (आरएनएस)

ब्लैक साड़ी में वामिका गब्बी ने बिखेरा हुस्न का जलवा

वामिका गब्बी ने एक बार फिर अपने एलिगेंट और ग्रेसफुल अंदाज़ से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने ब्लैक साड़ी में कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

ब्लैक स्ट्रैपलेस ब्लाउज़ और रंग-बिरंगी तितलियों से सजी साड़ी पहने वामिका गब्बी का यह ट्रेंडी और ट्रेडिशनल लुक फैंस के दिलों को जीत रहा है। रेड बैकड्रॉप के सामने उनकी ये तस्वीरें किसी फैशन मैगज़ीन के फोटोशूट से कम नहीं लग रही हैं। फैंस लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। कोई उन्हें बटरफ्लाई क्वीन कह रहा है तो कोई ग्रेस विद ग्लैमर।

वामिका का यह लुक ना केवल फैशनेबल है बल्कि उनकी पर्सनैलिटी और आत्मविश्वास को भी खूबसूरती से दर्शाता है। उन्होंने मिनिमल मेकअप और टाई-अप हेयरस्टाइल के साथ इस लुक को कंप्लीट किया है, जो उन्हें और भी एलिगेंट बना रहा है।

वामिका गब्बी पहले भी कई बार अपने फैशन चॉइसेज़ के चलते चर्चा में रह चुकी हैं। कभी वेस्टर्न आउटफिट्स तो कभी एथनिक लुक्स में, वह हर स्टाइल को बेहद कॉन्फिडेंस और क्लास के साथ कैरी करती हैं। उनका यह नया ब्लैक साड़ी लुक एक बार फिर यह साबित करता है कि वह बॉलीवुड की सबसे एलिगेंट अभिनेत्रियों में से एक हैं।

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फैन्स से लेकर सेलेब्स तक सभी वामिका की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। किसी ने उन्हें स्टनर बताया तो किसी ने लिखा, सुंदरता के साथ लालित्य वामिका का यह ग्लैमरस अवतार यह दर्शाता है कि वह न सिर्फ टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक ट्रेंडसेटर भी हैं।

भारत के पास वैकल्पिक आर्थिक सभ्यता के निर्माण की ऐतिहासिक जिम्मेदारी

रानू राजपूत

नीति आयोग ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दिए गए प्रमाणित आंकड़ों और विश्लेषणों के आधार पर यह घोषित किया है कि भारत जापान को पछाडक़र विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। जिस रफ्तार से हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है, उसको देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2०28 तक भारत जर्मनी को पछाडक़र तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नीति आयोग के विश्लेषण और अनुमान को नकारने का कोई कारण नजर नहीं आता। जाहिर है यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि बीते दो दशकों में भारत द्वारा अपनाए गए मिश्रित सुधारवादी मॉडल, डिजिटल ढांचे और जनसांख्यिकीय लाभांश की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ा, अब लक्ष्य जर्मनी और अंततः चीन है। यह लक्ष्य केवल शक्ति का नहीं, संतुलन और नेतृत्व का भी है। एक ओर जहां अमेरिका तकनीकी प्रभुत्व के बल पर शीर्ष पर है, वहीं चीन की अर्थव्यवस्था मंदी की मार, जनसंख्या घटाव और राजनीतिक केंद्रीकरण से जूझ रही है। भारत के पास न केवल इन दोनों के अनुभवों से सीखने का अवसर है, बल्कि एक वैकल्पिक आर्थिक सभ्यता के निर्माण की ऐतिहासिक जिम्मेदारी भी है। भारत की जीडीपी आज लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर है। चीन 17-18 ट्रिलियन और अमेरिका 26 ट्रिलियन के पास है। पहली दृष्टि में यह फासला बहुत बड़ा लगता है, लेकिन भारत की विकास दर, खासकर 7 फीसदी के आसपास बनी रहने की संभावना, इस अंतर को क्रमशः पाट रही है। यदि चीन की वृद्धि दर 4 प्रतिशत से नीचे स्थिर होती है और भारत अपनी ऊर्जा, श्रम और नवाचार को समर्पित दिशा में साधता है, तो 2०34-35 तक भारत चीन को पीछे छोड़ सकता है, लेकिन यह गणित केवल जीडीपी की रफ्तार से नहीं, रणनीतिक निर्णयों की

सटीकता से तय होगा।

बहरहाल, आर्थिक सुधार महज अब नारा नहीं, आर्थिक जीवनशैली होता जा रहा है। ध्यान रहे भूमि, श्रम और न्यायिक सुधार की गति यदि धीमी रही तो जनांकिकीय लाभांश जन-संकट में बदल सकता है। भारत को हर साल एक करोड़ से अधिक नौकरियों की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान विनिर्माण क्षेत्र उसकी आधी भी नहीं दे पा रहा। शिक्षा और स्वास्थ्य में राज्य सरकारों की लापरवाही से मानव संसाधन की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जो दीर्घकालिक विकास में बाधक बनेगी। देश को रेवड़ी कल्चर से भी बचाना पड़ेगा, इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में व्यापक चुनाव सुधारों की जरूरत है। इसके अलावा भारतीय अर्थव्यवस्था को केवल सेवा आधारित होने से बाहर निकलना होगा-उसे उत्पादन, नवाचार और तकनीकी प्रभुत्व के नए केंद्र बनाने होंगें।

क्या हम सिलिकॉन वैली की नकल करेंगे या शंघाई (चीन) के मॉडल पर जाएंगे जबकि आवश्यकता है कि हम अपना 'डिजिटल खादी' बनाएं यानी स्वदेशी तकनीक के आधार पर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का विस्तार करें। इसके अलावा एक प्रश्न यह भी है कि क्या विकास केवल शहरों तक सीमित रहेगा या गांवों तक स्वायत्त आर्थिक ढांचे पहुंचेंगे?

चीन ने जब विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कूच किया था, उसने अपने अंदरूनी ढांचे को लोहे के अनुशासन से साधा था। भारत अपनी तासीर से कभी भी अधिनायकवादी नहीं हो सकता। हमें लोकतंत्र में रहते हुए केंद्रीकृत परिणाम प्राप्त करने हैं। यही हमारी सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ा अवसर है। हम जर्मनी से आगे निकल चुके हैं, जर्मनी अब हमारे काफी समीप है, लेकिन इस दौड़ की असली जीत तभी होगी जब भारत आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संतुलन का मार्ग भी प्रशस्त करे। इसलिए भारत का चौथी अर्थव्यवस्था बनना एक घोषणा नहीं, बल्कि एक चुनौतीपूर्ण निमंत्रण है,जो आने वाले वर्षों में इतिहास लिखने की बजाय इतिहास को दिशा देगा। चीन को पीछे छोडना अब आकांक्षा नहीं, आवश्यकता बन गया है और यह आवश्यकता भारत को केवल महाशक्ति नहीं, 'महा-दृष्टा' बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

जी.एस. केशरवानी

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है। मध्य भारत की सबसे बड़ी और सबसे आधुनिक केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई भी दुर्ग जिले के जामगांव (एम) में स्थापना की गई है। यहां राज्य के वनों में उपलब्ध लघु वनोपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाएगा। इस इकाई में हर वर्ष लगभग 5० करोड़ रूपए के आयुर्वेदिक औषधीय उत्पादों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। यह प्रसंस्करण केंद्र छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उद्यमियों को गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के वनोत्पाद के प्रसंस्करण और वैल्यूएडिशन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। राज्य की नई उद्योग नीति में भी वनोपज प्रसंस्करण इकाईयों को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया गया है तथा इसके लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

जामगांव में स्थापित की गई अत्याधुनिक केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई से फारेस्ट टू फार्मेसी मॉडल की शुरुआत हुई है। इस इकाई का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल में ही लोकार्पण किया है। यह प्रसंस्करण इकाई लगभग 27.87 एकड़ में फैला हुआ है। यहां फार्मास्युटिकल ग्रेड उपकरणों द्वारा आधुनिक ढंग से आयुर्वेदिक एवं हर्बल औषधियों का उत्पादन होगा। इस इकाई में आयुर्वेदिक औषधियों के चूर्ण, सिरप, तेल, अवलेह एवं टैबलेट के रूप में उत्पादन, प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग किया जायेगा। इस इकाई में मशीन स्थापना, संचालन तथा विपणन पीपीपी मोड पर किया जाएगा। आयुर्वेदिक औषधि इकाई में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से क्वॉरेंटाइन बिल्डिंग, प्री-प्रॉसेसिंग बिल्डिंग, मटेरियल स्टोरेज बिल्डिंग, मेन प्लांट बिल्डिंग आदि बनाए गए हैं।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट 6.०4 एकड़ में बनाई गई है, इसकी लागत 23.24 करोड़ रुपए है। इसमें आधुनिक मशीनरी के माध्यम से विभिन्न औषधीयों, वनस्पतियों से अर्क निकाले जाएंगे। इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, शतावरी आदि महत्वपूर्ण औषधीय, वनस्पतियों से अर्क निकालकर उन्हें आयुर्वेदिक औषधियों तथा अन्य वेलनेस उत्पादों के प्रसंस्करण व निर्माण में उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव में 2००० से अधिक स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आदिवासी एवं वनवासी समुदायों के साथ ही महिलाओं को लघु वनोपजों के संग्रहण, प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में रोजगार और आय में वृद्धि के अवसर मिलेगा।

सू- दोकू क्र.16

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.15 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

क्या बिहार विधानसभा चुनावों में जनस्वराज पार्टी का उदय होगा

अजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनावों की रणभेरी बज चुकी है और राजग , राजद के बीच प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। चुनाव विशेषज और सोफेजोलिस्ट प्रशांत किशोर नीतीश कुमार के विकल्प बनने की कोशिश में हैंयद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा की है कि नीतीश ही मुख्यमंत्री होंगे। उल्लेखनीय है कि 243 सदस्यी बिहार विधानसभा चुनाव आगामी अक्टूबर 2०25 में होंगे ।भारत पूर्ववर्ती राज्य बिहार में वर्तमान में राजग की सरकार है और जेडीयू नेता नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार विगत 2० वर्ष से मुख्यमंत्री हैं। यद्यपि 2०17 के चुनावों में वे भारतीय जनता पार्टी के साथ ही चुनाव लड़े थे लेकिन कुछ महीने आरजेडी के साथ भी सरकार चला कर लौट कर फिर एनडीए में आ गए और लोकसभा 2०24 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी के साथ लड़ा और 12 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की।

इस लिए नीतीश कुमार की राजनीति कोई भांप नहीं सकता है। अलबत्ता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इतने हैं कि वफ़ संशोधन विधेयक पर भी समर्थन दिया ।लेकिन अब थक गए हैं। बिहार विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय नेताओं का बोलबाला है। लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी यादव राजेडी की कमान संभाल रहे हैं उनका कांग्रेस के साथ गठबन्धन है। लेकिन कांग्रेस बिहार में उत्तर प्रदेश की राह पर चल रही है और उसका वजूद खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन नेता विहीन हैपूरी तरह दिल्ली पर

निर्भर है। हालांकि अगड़ी जातियों ब्राह्मण, क्षत्रिय, राजपूत, बनिया, और कुछ अनुसूचित जाति में अच्छी खासी पकड़ है।

लेकिन नीतीश कुमार के जेडीयू की कोली,पासी,निषाद और कुछ हद तक गैर यादव पिछड़े वर्ग में पकड़ हैकुछ स्थानों पर लोक जन शक्ति की पकड़ है। ऐसे मिलाकर एनडीए खड़ा है। राजद की यादव मुस्लिम में पकड़ बेमिसाल है। बिहार में 18 फीसदी मुस्लिम है।

इन दोनों गठबन्धन के बीच जन स्वराज के प्रशांत किशोर भी पूरे बिहार में घूम घूम कर पढ़े लिखे लोगों में यह कह रहे हैं कि 77 वर्ष में बिहार पूरे देश का मजदूर बन कर रह गया है।

झारखंड अलग होने के बाद बिहार में फंड्स का टोटा है।

नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव के कुनबे का खौंफ कम किया है। राजेडी के तेजस्वी यादव का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को उतर कर जाने का आदेश दिया है कि वह ऐसे मतदाताओं को मतदान में भाग न लेने दे जो राजेडी को वोट कर सकते हैं। उन्होंने कहा है कि दो महीने पहले मतदाता सूची को रिवाइज करना गलत है।

बिहार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि बरसात में कोसी नदी,का पानी आधे बिहार को डूबा देता है। लोग आजन्म इस त्रासदी को भुगतते है। यद्यपि पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, दरभंगा,आदि में विकास कार्य किया गया है।

प्रधानमंत्री सड़क परियोजना में अभी बिहार 1००० की आबादी पर अटका है जबकि महाराष्ट्र, गोवा, असम, मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, परियोजना खत्म कर चुके हैं बल्कि वे उन्नयन के लिए भी पैसा मांग रहे हैं। जलजीवन मिशन का भी यही हाल है। यद्यपि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने बिहार को 75००० हजार करोड़ रुपए के हाइवे बन बाएं है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विशेष पैकेज दिया है। लेकिन बिहार में सबसे प्रमुख हैं जातीय जनगणना का मामला ।2०27 तक जनगणना पूरी होगी ।

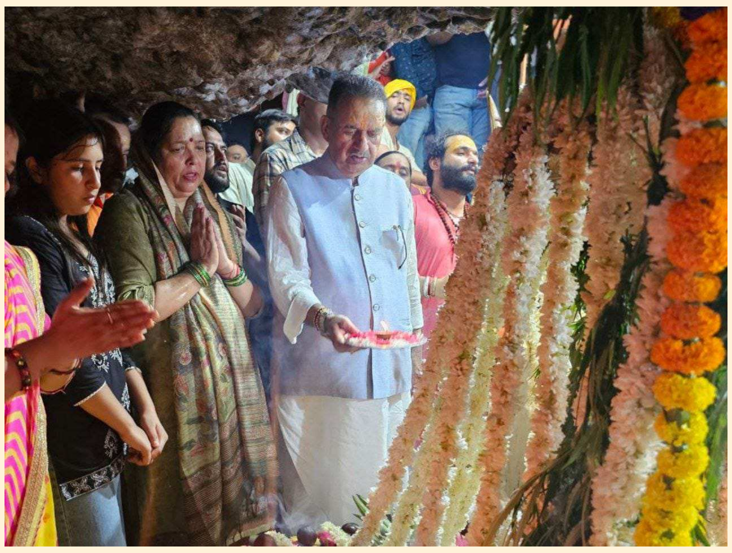

कैबिनेट मंत्री जोशी ने टपकेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्राचीन टपकेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना की। आज यहां श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्थित प्राचीन टपकेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी निर्मला जोशी भी उनके साथ मौजूद रहीं। कैबिनेट मंत्री जोशी ने भगवान भोलेनाथ की आरती में भाग लिया और प्रदेशवासियों के सुखए शांति और समृद्धि की कामना की।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों को मिलेगी निःशुल्क चिकित्साः डॉ. राजेश

संवाददाता

देहरादून। स्वास्थ्य सचिव डॉ. राजेश कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किये। आज यहां आजादी की 78वीं वर्षगांठ की ओर अग्रसर उत्तराखंड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजनों को राजकीय चिकित्सालयो में निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य सचिव डॉ.राजेश कुमार जारी आदेश के अनुपालन में स्वास्थ्य महानिदेशालय द्वारा राज्य के सभी जनपदों के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों तथा निदेशक गढ़वाल/कुमाऊं मंडल को जारी किए गए निर्देश। इस संबंध में विगत दिनों स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समिति के संरक्षक सुशील त्यागी तथा संयुक्त नागरिक संगठन के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र भट्ट स्वास्थ्य सचिव से मिले थे। इन्होंने दुर्गम क्षेत्र के सेनानी परिवारों को चिकित्सा सुविधा मिलने में आ रही कठिनाइयों का प्रकरण उठाया था। सचिव द्वारा तत्काल महानिदेशक को आवश्यक कार्यवाही के आदेश जारी किए गए थे। सचिव का कहना है कि चिकित्सा विभाग पूर्व में जारी शासनादेश 2011 में उल्लेखित सभी सुविधाओ को निःशुल्क दुर्गम क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्प है। सेनानी परिवारों को कोई भी कठिनाई न हो इसके लिए भी सभी अस्पतालों में अलग से काउंटर खोलने और उपलब्ध सुविधाओं हेतु सूचना पट भीलगाने के निर्देश दिए गए हैं। समिति ने शासन द्वारा उठाए गए कदमों पर खुशियां जाहिर की है। इनमें मुकेश नारायण शर्मा, सत्यप्रकाश चौहान, सत्यप्रकाश डिमरी, कुसुम धस्माना, आशा टम्टा, अवधेश पंत आदि है।

24 जुलाई को बीआरओ के मजदूरों को मिले अवकाशः मर्तोलिया

संवाददाता

मुनस्यारी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मांग की है कि 24 जुलाई को बीआरओ के मजदूरों को अवकाश दिया जाये।

आज यहां पूर्व जिला पंचायत सदस्य तथा मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक जगत मर्तोलिया ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के मजदूरों को 24 जुलाई को मतदान के दिन मानदेय के साथ अवकाश दिए जाने की मांग की। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी को भी पत्र की प्रति भेजी है। समिति के संयोजक जगत मर्तोलिया ने बताया कि विकासखंड मुनस्यारी तथा धारचूला के निवासी सैकड़ो की संख्या में मतदाता सीमा सुरक्षा संगठन के अंतर्गत दैनिक मजदूरी का कार्य करते है। इन मजदूरों के मतदान के संवैधानिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए इन्हें 24 जुलाई को मतदान दिवस के दिन सवेतन अवकाश दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा लोकतंत्र के इस पर्व को और अधिक मजबूत करने के लिए उक्त मजदूरों को अवकाश दिए जाने के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त से तत्काल सीमा सड़क संगठन के उच्च अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पूर्व की भांति इस बार भी मजदूरों को मतदान के दिन अवकाश की सुविधा दी जाए।

रावत ने संसद के मानसून सत्र में उठाया होम स्टे प्रोत्साहन का मुद्दा

संवाददाता

देहरादून। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने संसद के मानसून सत्र में होम स्टे सुविधा के प्रोत्साहन का मुददा उठाया।

आज यहां हरिद्वार के सांसद और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में देशभर में तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए होम स्टे सुविधाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दिए गए लिखित उत्तर में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के बजट में होम स्टे इकाइयों के लिए संपार्श्विक रहित संस्थागत ऋण की घोषणा की गई है, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों में होम स्टे की स्थापना को प्रोत्साहन और सहायता मिल सके। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत देश भर में 1000 होम स्टे विकसित किए जाएंगे। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों में 5-6

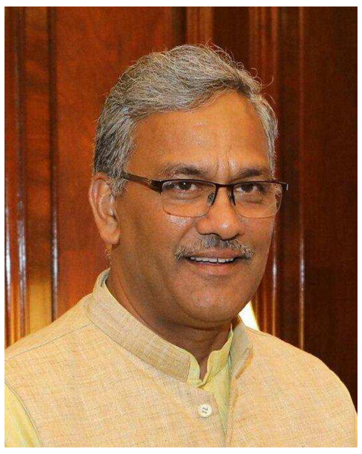

गांवों के समूह में प्रति गांव 5 से 10 होम स्टे विकसित करने के लिए 5 करोड़ तक की सहायता केंद्र सरकार द्वारा दी जा सकती है। उत्तराखंड के चकराता, उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जैसे जनजातीय क्षेत्रों में इस योजना के तहत समूह आधारित होम स्टे स्थापित किए जा सकते हैं। पर्यटन मंत्रालय द्वारा अतुल्य भारत बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के अंतर्गत होम स्टे को "स्वर्ण" और "रजत" श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है, जिससे गुणवत्ता में सुधार हो और पर्यटकों को उत्कृष्ट अनुभव मिल सके। इसके साथ ही, सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत होम स्टे मालिकों, टूर गाइड्स और आतिथ्य सेवा क्षेत्र के अन्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, शिक्षा और प्रमाणन प्रदान किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर मिलेंगे। डिजिटल भारत की दिशा में एक कदम उठाते हुए, मंत्रालय "अतुल्य भारत वेबसाइट" को एक वन स्टॉप डिजिटल सूचना और सेवा मंच के रूप में विकसित कर रहा है। इसमें होम स्टे बुकिंग सहित अन्य पर्यटन सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा ओनलाइन ट्रैवल एजेंसी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से होम स्टे बुकिंग और सेवाएं पहले से ही प्रदान की जा रही हैं।

ट्रैक्टर चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रैक्टर चोरी मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराया गया ट्रैक्टर बरामद हुआ है।

मामला कोतवाली लक्सर क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीते रोज फरमान पुत्र अबास निवासी ग्राम लादपुर द्वारा थाना लक्सर में तहरीर देकर बताया गया था कि बिलाल नामक व्यक्ति ने उनका ट्रैक्टर चोरी कर लिया गया है। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद मात्र कुछ ही घंटो में आरोपी चोर बिलाल को चुराये गये ट्रैक्टर सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मतदान व मतगणना कार्मिकों का किया रेंडमाइजेशन

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, आज जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) नितिन सिंह भदौरिया व प्रेक्षक दीप्ति सिंह की उपस्थिति में प्रथम चरण के 5080 मतदान कार्मिकों का तृतीय रेंडमाइजेशन किया गया साथ ही 2500 मतगणना कार्मिकों का प्रथम रेंडमाइजेशन किया गया।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के प्रथम चरण विकास खण्ड खटीमा, सितारगंज, गदरपुर व बाजपुर के सफलता पूर्वक मतदान सम्पन्न कराने हेतु 1016 मतदान पार्टियों के 5080 मतदान कार्मिकों का तृतीय रेंडमाईजेशन किया गया। मतदान पार्टिया के तृतीय रेंडमाइजेशन से उनके बूथ आवंटित हुए। रेंडमाईजेशन में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, मुख्य शिक्षा अधिकारी/नोडल कार्मिक केएस रावत, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमन्त मौर्य, जिला पर्यटन अधिकारी लता बिष्ट आदि मौजूद थे।

शिव शक्ति कांवड सेवा संघ ने किया भंडारे का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। शिव शक्ति कांवड सेवा संघ ने कांवडियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया।

आज यहां शिव शक्ति कावड़ सेवा संघ द्वारा मोहबेवाला में कांवड़ियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भंडारा का आयोजन बीते 11 जुलाई से है और जो कि आगामी 23 जुलाई तक रहेगा। आज भी भंडारे का आयोजन किया गया। शिव शक्ति कावड़ सेवा संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यूपी, हरियाणा आदि राज्यों से तमाम श्रद्धालु नीलकंठ जा रहे हैं। इसके चलते शहर में श्रद्धालुओं का आवागमन बना है। इसी क्रम में मोहब्बेवाला में कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन चल रहा है। कल बुधवार को भी भंडारे का

आयोजन रहेगा।

इस अवसर पर लालचंद शर्मा पूर्व महानगर अध्यक्ष कांग्रेस, पार्षद श्रीमती कुसुम वर्मा, पूर्व पार्षद रमेश कुमार मंगू, पूर्व पार्षद मोहन गुरुंग ने प्रतिभाग किया। लालचंद शर्मा ने बताता कि ये भंडारा शिव शक्ति कावड़ सेवा संघ मोहब्बेवाला द्वारा किया जाता है। इसके संयोजक अनिल कुमार उर्फ अन्नू और उनकी टीम द्वारा भंडारा किया जाता है। भंडारे के दौरान ईश्वर थापा, मोहित त्यागी, रमेश चमोली, प्रदीप कुमार, विनोद कोठरी, सुनील कुमार, सुभाष धस्माना, अमर सिंह आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब

❑गंगा घाटों पर नहीं बची पैर रखने की जगह

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। सावन कांवड़ यात्रा मेला अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। कल महाशिवरात्रि है जब सभी कांवड़िये अपने अपने गंतव्य स्थलों तक पहुंचकर शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे। आज हरिद्वार में सबसे अधिक भक्तों का दबाव देखने को मिला एक तरफ आसपास के क्षेत्र से आने वाले पैदल कावड़ियों की भीड़ तो वहीं दूसरी तरफ डाक कांवड़ लेकर आने और जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों का दबाव। जिसके कारण पुलिस प्रशासन के लिए आज का दिन सबसे अधिक चुनौती भरा रहा।

अधिकारी और कर्मचारी बीती रात से ही व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए इधर-उधर भागते दौड़ते दिखे वहीं सीसीटीवी व ड्रोनों से भी कांवड़ यात्रा पर

❑हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर जाम की स्थिति

❑व्यवस्था बनाने में पुलिस के छूटे पसीने

नजर रखी जा रही है जहां भी भीड़ का अधिक दबाव बनता दिखता है उसे कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों का सहारा भी लिया जा रहा है कहीं कोई अप्रिय घटना न हो पुलिस प्रशासन चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए हैं। अब तक कांवड़ यात्रा के दौरान व्यवस्थाएं ठीक-ठाक ही रही है तथा कोई ऐसी बड़ी घटना नहीं पेश आई है। इसके लिए पुलिस प्रशासन अब इस यात्रा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के प्रयासों में जुटा है।

अब तक 3 करोड़ से अधिक कांवड़ियों के जल भरकर चले जाने की बात कही जा रही है लेकिन आज से पूर्व इतने ज्यादा शिव भक्तों का दबाव भी नहीं रहा है। एक दिन पूर्व तक दिल्ली हरिद्वार हाईवे की एक साइड को आम लोगों के लिए खुला रखा गया था लेकिन कल से इसे आम लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है कावड़ियों का इतना अधिक दबाव है कि हाईवे पर कई स्थानों पर आज जाम के हालात देखे गए।

हरिद्वार के सभी गंगा घाटों पर आज इतनी भीड़ थी कि वहां पैर रखने की जगह नहीं बची। यह हालात अभी कल दोपहर तक जारी रहेंगे। पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी यहीं समाप्त नहीं होगी। कल सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक के दौरान भी भारी भीड़ रहेगी। पुलिस द्वारा आज से ही सभी प्रमुख शिवालयों में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

25 पेटी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को आबकारी विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 25 पेटी चंडीगढ़ मार्का शराब व तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल के निर्देशानुसार द्वारा गठित संयुक्त टीम जिसमें जनपदीय प्रवर्तन दल देहरादून सेक्टर 1-2 मसूरी ऋषिकेश, चकराता सम्मिलित है। जिनके द्वारा क्षेत्र में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान चकराता क्षेत्र में हरबर्टपुर के समीप एक वाहन बोलोरो को 25 पेटी अंग्रेजी शराब रॉयल स्टैग फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनली की तस्करी करते हुए पकड़ा गया। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि वह बरामद की गयी शराब को चुनाव में खपत के लिए लाई गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनयम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

शराब बरामद करने वाली टीम में आबकारी निरीक्षक प्रेरणा बिष्ट, शिव प्रसाद व्यास, विजेंद्र भंडारी, वीरेंद्र कुमार जोशी, रीना रौठाण, उप आबकारी निरीक्षक भजन चौहान, उमराव राठौर, पान सिंह राणा, शोबन रावत, हेड कांस्टेबल आशीष प्रकाश, अर्जुन सिंह, मोहित, राकेश, भास्कर, दीपेंद्र, नौशाद, हेमंत, यशपाल आदि शामिल रहे।

मंदिर का ताला तोड नगदी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मंदिर का ताला तोड वहां से नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बीवाला प्रेमनगर निवासी भुवन चन्द जोशी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह वह क्षेत्र में स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो देखा कि मंदिर का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर दानपात्र से नगदी गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाल श्रम में दो पर केस दर्ज

देहरादून (सं)।। बाल श्रम कराने पर पुलिस ने दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रम पर्वतन अधिकारी अश्वनी कुमार ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने साईलोक कालोनी में मधु शर्मा व सुरेश कालरा के घर पर नाबालिग बच्चों से काम कराते हुए देखा है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांवड़ियों की बाइक में लगी आग

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ियों की चलती बाइक में आग लग जाने से अफरा तफरी फैल गयी। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया हालांकि इस दौरान बाइक सवार कांवड़िए सुरक्षित रूप से उतर गए थे।

घटना गुरुकुल कांगड़ी फ्लाईओवर के ऊपर की है। यहां बाइक में आग लगने के कारण ट्रैफिक जाम हो गया। कांवड़ मेले का आज अंतिम दिन है। बुधवार को सभी कांवड़ियों को अपने-अपने गंतव्य पर पहुंचकर जल चढ़ाना है। ऐसे में हरिद्वार में कांवड़ियों का जनसैलाब देखने को मिल रहा है।

कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी फ्लाईओवर के ऊपर अचानक एक चलती हुई मोटरसाइकिल में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह से जलकर राख हो गयी। गनीमत रही कि आग लगने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। बाइक सवार कांवड़िए भी सुरक्षित बताये जा रहे है। कांवड़ मेले के अंतिम चरण में हरिद्वार में इस समय डाक कांवड़ का जोर है। बड़ी संख्या में कांवड़िए बाइक से जल लेकर तेज गति से जा रहे हैं। आज ऐसे ही जा रहे एक कांवड़िये की बाइक में गुरुकुल कांगड़ी फ्लाईओवर पर अचानक आग लग गयी। बाइक धूं धू करके जलने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर गुरुकुल कट पर ड्यूटी में तैनात दीवान सिंह तोमर एवं कॉन्स्टेबल टीपी शेर सिंह आग बुझाने में लग गए। अफरा-तफरी ऐसी थी कि पानी की बोतलों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। मगर आग पर काबू नही पाया जा सका। तब वहां मौजूद एक ट्रक ड्राइवर से अग्निशामक यंत्र लेकर आग पर काबू पाया गया।

चुनाव से पहले संगठित षड्यंत्र का पर्दाफाश, 2 गिरफ्तार एक फरार

हमारे संवाददाता

ऊधमसिंहनगर। नशा मुक्ति केन्द्र करनपुर से जुड़े एक संगठित षडयंत्र का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं अपराधमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत ऊधमसिंह नगर पुलिस ने नशा मुक्ति केंद्र, करनपुर से जुड़े एक संगठित षड्यंत्र का पर्दाफाश किया है। बताया कि जांच में पाया गया कि मृतक राहुल कुमार (निवासी करनपुर कॉलोनी, थाना कुण्डा) की विषाक्त पदार्थ देकर योजनाबद्ध हत्या की गई, ताकि अपराधियों के परिवार के चुनावी प्रत्याशी को लाभ प्राप्त हो सके।

बताया कि 19.07.2025 को सीसीटीवी फुटेज में पाया गया कि सुबह 06:32:28 बजे नशा मुक्ति केंद्र के कैमरे संदिग्ध रूप से बंद और 07:18:37 बजे पुनः चालू हुए, जबकि केंद्र में डबल इन्वर्टर व जनरेटर होने के बावजूद बिजली आपूर्ति बाधित नहीं थी। डीवीआर व अन्य फुटेज से स्पष्ट हुआ कि सुखविन्दर सिंह उर्फ छिन्दर, बलविन्दर सिंह चन्देल और सतनाम सिंह उर्फ सत्ता (फरार) ने राहुल को केंद्र से पन्नू फार्म की ओर ले जाकर अपराध को अंजाम दिया। गिरफ्तार बदमाशों के नाम बलविन्दर सिंह चन्देल पुत्र स्व. वीर सिंह (उम्र 35 वर्ष) निवासी कैनाल कॉलोनी, कोसी रोड, कोतवाली रामनगर, नैनीताल व सुखविन्दर सिंह उर्फ छिन्दर पुत्र स्व. कुन्दन सिंह (उम्र 56 वर्ष) निवासी ग्राम भरतपुर, कैलामोड़, भुल्लर फार्म, थाना कुण्डा, ऊधमसिंह नगर है। जबकि फरार बदमाश का नाम सतनाम सिंह उर्फ सत्ता पुत्र स्व. कुन्दन सिंह निवासी ग्राम भरतपुर, कैलामोड़, भुल्लर फार्म, थाना कुण्डा, ऊधमसिंह नगर है।

पुलिस के अनुसार सुखविन्दर व सतनाम सिंह शातिर बदमाश है। जिन पर हत्या, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, गुंडा एक्ट सहित 25 से अधिक मुकदमे विभिन्न जनपदों (ऊधमसिंह नगर, नैनीताल, खीरी आदि) में दर्ज है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।